सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा परिणाम 2012

Senior School Certificate Examination Results-2012

परीक्षा अवधि / Duration of Examinations

1 मार्च 2012 से 16 अप्रैल 2012 / 1st March 2012 to 16th April 2012

परीक्षाफल घोषणा तिथि / Date of Declaration of Results

28 मई 2012 (समस्त क्षेत्र) / 28th May, 2012 (All regions)

मुख्य विशेषताएं

इस वर्ष कक्षा–12 की परीक्षा हेतु कुल 815749 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए । पिछले वर्ष 770042 विद्यार्थी पंजीकृत हुए। वर्ष 2011 की तुलना में इस वर्ष विद्यार्थियों की संख्या में 5.94 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

- कुल उत्तीर्ण प्रतिशतः 80.19%
- छात्राओं ने छात्रों से बेहतर प्रदर्शन किया। छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 75.80% की तुलना में छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 86.21% रहा।
- संस्थागत नियमित परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 82.51% की तुलना में प्राईवेट परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 38.85% रहा।
- क्षेत्रीय कार्यालय चैन्नई का समस्त उत्तीर्ण प्रतिशत 90.59% रहा जो सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में उच्चतम था।

Highlights

In all 815749 candidates were registered for the examination held in March/ April 2012 as against 770042 during 2011 showing an increase of approximately 5.94% over the last year.

- The Overall pass percentage was 80.19%.
- Girls performed better than boys. Pass percentage of girls was 86.21% as compared to that of boys which was 75.80%.
- Pass Percentage of regular students was 82.51% as compared to 38.85% of private/Patrachar candidates.
- Overall pass percentage of Chennai Region is 90.59% which is the highest as compared to other Regions.

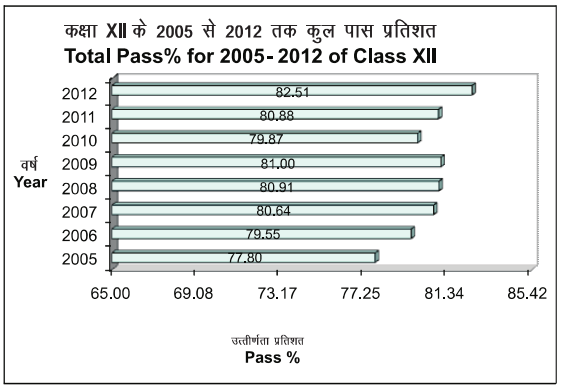
कक्षा XII के 2005 से 2012 तक कुल पास प्रतिशत
Total Pass% for 2005- 2012 of Class XII
वर्ष
Year
2012
2011
2010
2009
2008
2007
2006
2005
82.51
80.88
79.87
81.00
80.91
80.64
79.55
77.80
65.00
69.08
73.17
77.25
81.34
85.42
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass %

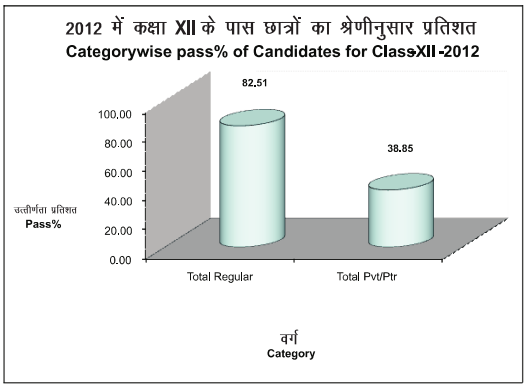
2012 में कक्षा XII के पास छात्रों का श्रेणीनुसार प्रतिशत
Categorywise pass% of Candidates for Class-XII -2012
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass%
100.00
80.00
60.00
40.00
20.00
0.00
82.51
38.85
Total Regular
Total Pvt/Ptr
वर्ग
Category

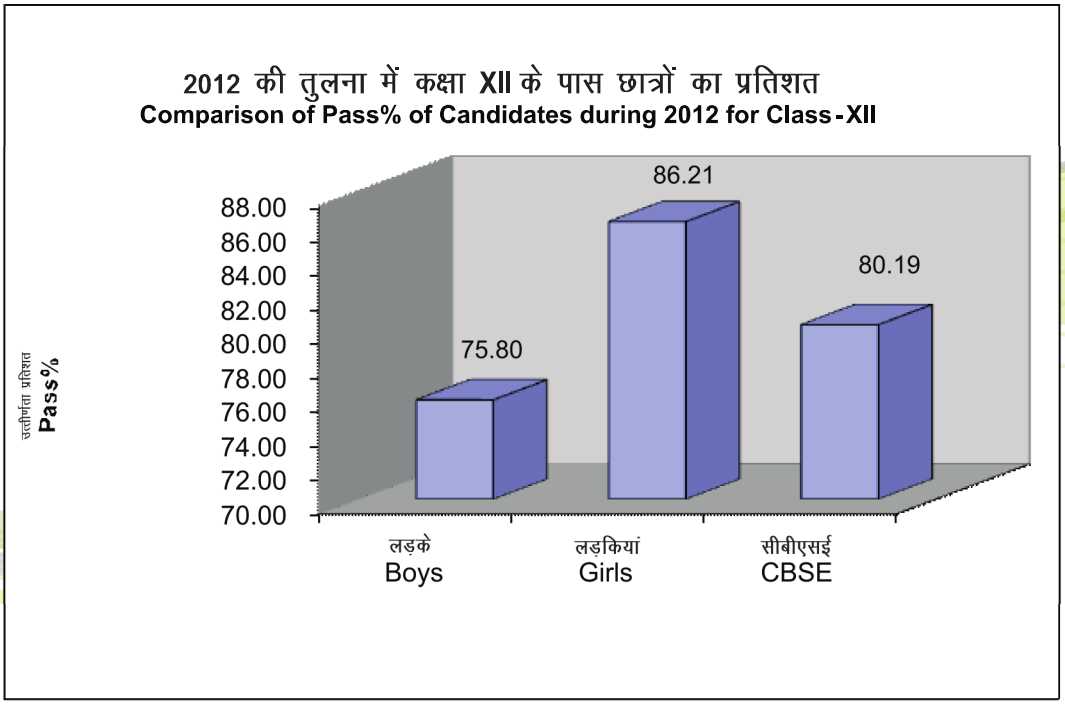
2012 की तुलना में कक्षा XII के पास छात्रों का प्रतिशत
Comparison of Pass% of Candidates during 2012 for Class-XII
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass%
88.00
86.00
84.00
82.00
80.00
78.00
76.00
74.00
72.00
70.00
75.80
86.21
80.19
लड़के
Boys
लड़कियां
Girls
सीबीएसई
CBSE

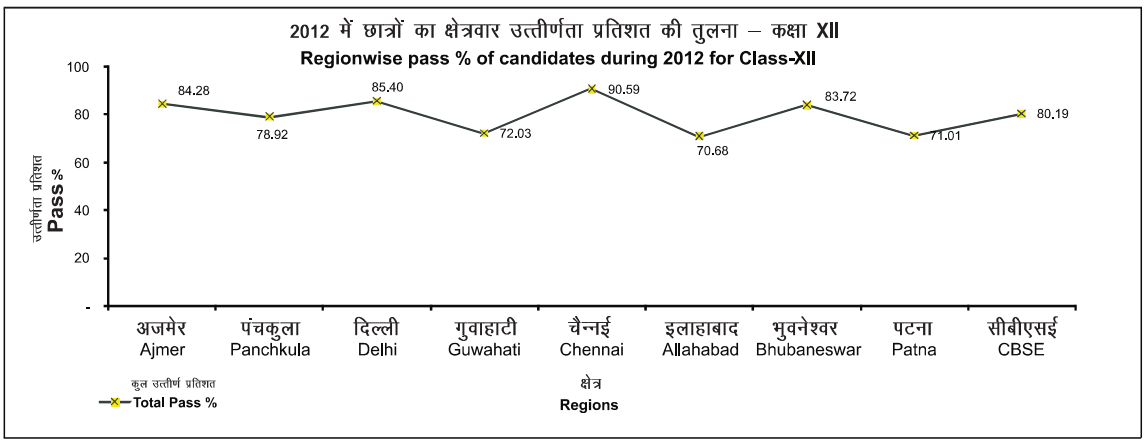
2012 में छात्रों का क्षेत्रवार उत्तीर्णता प्रतिशत की तुलना – कक्षा XII
Regionwise pass % of candidates during 2012 for Class-XII
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass %
100
80
60
40
20
-
84.28
78.92
85.40
72.03
90.59
70.68
83.72
71.01
80.19
अजमेर
Ajmer
पंचकुला
Panchkula
दिल्ली
Delhi
गुवाहाटी
Guwahati
चैन्नई
Chennai
इलाहाबाद
Allahabad
भुवनेश्वर
Bhubaneswar
पटना
Patna
सीबीएसई
CBSE
कुल उत्तीर्ण प्रतिशत
Total Pass %
क्षेत्र
Regions

सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा परिणाम 2012

Secondary School Certificate Examination Results-2012

परीक्षा अवधि / Duration of Examinations

1 मार्च 2012 से 26 अप्रैल 2012 / 1st March 2012 to 26th April 2012

परीक्षाफल घोषणा तिथि / Date of Declaration of Results

21 मई 2012 (चैन्नई क्षेत्र) / 21st May, 2012 (Chennai Region)

24 मई 2012 / 24th May, 2012

(इलाहाबाद, अजमेर, भुवनेश्वर, दिल्ली, पटना, गुवाहाटी और पंचकुला)

(Allahabad, Ajmer, Bhubaneswar, Delhi, Patna, Guwahati and Panchkula)

मुख्य विशेषताएं

इस वर्ष कक्षा–10 की परीक्षा हेतु कुल 11779182 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए ।

- पिछले वर्ष 2011 की तुलना में उत्तीर्ण विधार्थियों की संख्या में 1.58 प्रतिशत की वृद्वि हुई।

  वर्ष 2011 का उत्तीर्ण प्रतिशत – 96.61

  वर्ष 2012 का उत्तीर्ण प्रतिशत – 98.19

- छात्राओं ने छात्रों से बेहतर प्रदर्शन किया। छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 97.48% की तुलना में छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 98.48% रहा।

- क्षेत्रीय कार्यालय चैन्नई का समस्त उत्तीर्ण प्रतिशत 99.45% रहा जो सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में उच्चतम था।

Highlights

In all **11779182** candidates were registered for class X examination this year.

- There was an increase of **1.58%** in the overall pass percentage as compared to 2011 results.

  Pass percentage of 2011 - 96.61

  Pass percentage of 2012 - 98.19

- Girls performed better than boys. Pass percentage of girls was **98.48%** as compared to that of boys which was **97.98%**.

- Overall pass percentage of Chennai region was **99.45%**, the highest as compared to other regions.

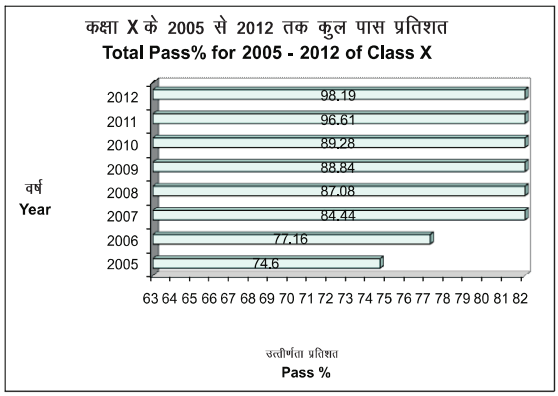
कक्षा X के 2005 से 2012 तक कुल पास प्रतिशत
Total Pass% for 2005 - 2012 of Class X
2012 98.19
2011 96.61
2010 89.28
2009 88.84
2008 87.08
2007 84.44
2006 77.16
2005 74.6
वर्ष
Year
63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass %

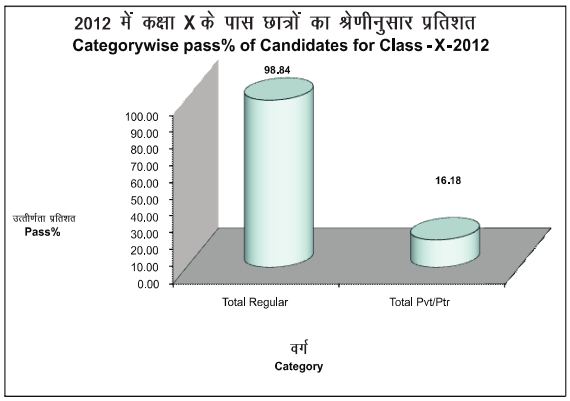
2012 में कक्षा X के पास छात्रों का श्रेणीनुसार प्रतिशत
Categorywise pass% of Candidates for Class - X-2012
98.84
16.18
100.00
90.00
80.00
70.00
60.00
50.00
40.00
30.00
20.00
10.00
0.00
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass%
Total Regular
Total Pvt/Ptr
वर्ग
Category

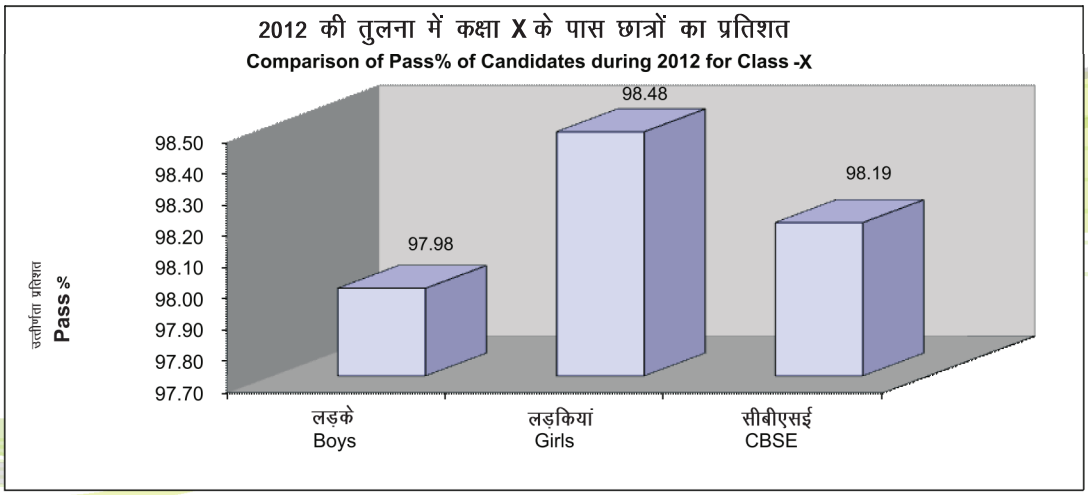
2012 की तुलना में कक्षा X के पास छात्रों का प्रतिशत
Comparison of Pass% of Candidates during 2012 for Class -X
98.48
97.98
98.19
98.50
98.40
98.30
98.20
98.10
98.00
97.90
97.80
97.70
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass %
लड़के
Boys
लड़कियां
Girls
सीबीएसई
CBSE

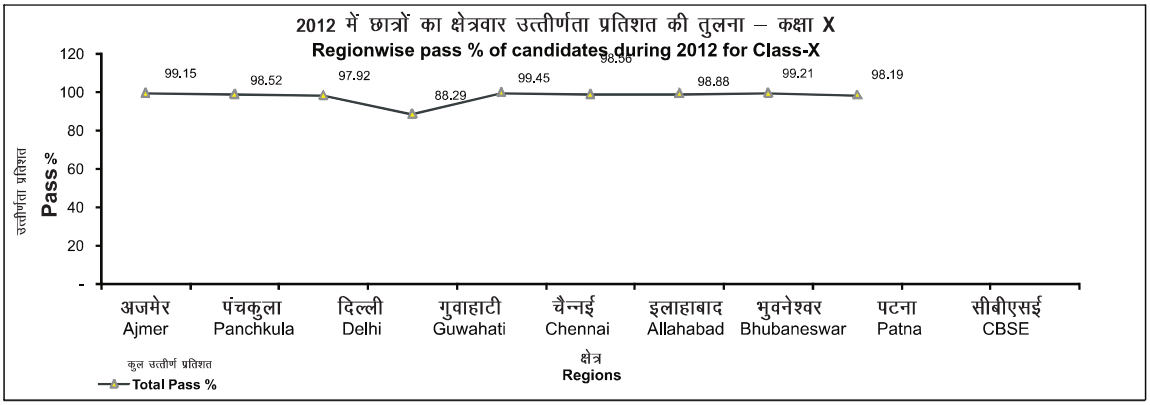
2012 में छात्रों का क्षेत्रवार उत्तीर्णता प्रतिशत की तुलना – कक्षा X
Regionwise pass % of candidates during 2012 for Class-X
120
100
80
60
40
20
-
99.15
98.52
97.92
88.29
99.45
98.56
98.88
99.21
98.19
उत्तीर्णता प्रतिशत
Pass %
अजमेर
Ajmer
पंचकुला
Panchkula
दिल्ली
Delhi
गुवाहाटी
Guwahati
चैन्नई
Chennai
इलाहाबाद
Allahabad
भुवनेश्वर
Bhubaneswar
पटना
Patna
सीबीएसई
CBSE
कुल उत्तीर्ण प्रतिशत
Total Pass %
क्षेत्र
Regions

विद्यार्थियों के निर्धारण डाटा का संग्रहण

अभ्यर्थियों की सूची अनुक्रमांक संख्या सहित बोर्ड की वेबसाईट से डाउन लोड करने तथा प्रत्येक अभ्यर्थी के संबंध में सत्रवार ब्योरा संकलित और अपलोड करने हेतू सभी विद्यालयों के लिए सॉफ्टवेयर बोर्ड की वेबसाईट पर डाला गया।

बोर्ड द्वारा प्रमाणन

बोर्ड द्वारा सीसीई के अंतर्गत परीक्षा देने वाले कक्षा X के सभी विद्यार्थियों को 'ग्रेड शीट कम सर्टिफिकेट ऑफ परफॉरमेंस' प्रमाण–पत्र जारी किया गया।

ग्रेडस का सत्यापन

क) **विद्यालय आधारित निर्धारण (एसए।।)**

विद्यालय आधारित परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के ग्रेडस के सत्यापन के लिए केवल विद्यालयों में आवेदन कराया और विद्यालय को उत्तरपुस्तिकाओं का सत्यापन और परिणाम सूचित करना था।

ख) **बोर्ड आधारित निर्धारण (एसए–II)**

बोर्ड द्वारा आधारित परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को ग्रेडस के सत्यापन के लिए ऑनलाईन की सुविधा उपलब्ध करवाई गई ।

निष्पादन में सुधार

जिस विद्यार्थी ने किसी एक अथवा सभी पाँच विषयों में (छठे अतिरिक्त विषय को छोड़ कर) ग्रेड ई1 ई2 प्राप्त किया है वह किसी एक अथवा सभी पाँच विषयों में निष्पादन में सुधार के लिए पात्र होगा और उसे इस वर्ष मार्च में आयोजित मुख्य परीक्षा के लिए दिए गये विकल्प यानि बोर्ड अथवा स्कूल आधारित परीक्षा के अनुसार निष्पादन में सुधार के प्रथम अवसर के लिए शामिल होना होगा ।

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र

सभी विषयों के संशोधित नमूना प्रश्न पत्र प्रकाशित हुए और सीबीएसई की बेवसाइट पर माार्च 2012 की परीक्षा के लिए अपलोड किए गए ।

Collection of Assessment Data of students

A software was provided for all schools to download List of Candidates with Roll numbars from Board's website. Schools had its compile and upload term wise details in respect of each candidate.

Certification by the Board

A Grade Sheet Cum Certificate of Performance was issued to all the candidates of class X who had appeared under the CCE scheme.

Verification of Grades

A. School Based Assessment (SA II)

Students who appeared for school Based Examination could apply for verification of grades to the schools only and schools verified and communicated the result.

B. Board Based Assessment (SA II)

Students who appeared for school Based Examination could apply for verification of grades directly to the board both through offline and online mode.

Improvement of Performance

Candidate who had obtained grade E1 & E2 in any or all the five subjects (excluding 6th additional subject) were eligible for improving the performance in any or all the five subjects and reappear at the 1st chance of Improvement of Performance (IOP) as per the option made for the main exam held in March, 2012 whether school based or board based.

Sample Question Papers

Sample Question Papers in all subjects were revised, published and uploaded on the Board's website for March 2012 examination.

निर्विघ्न मूल्यांकन के लिए तैयारी

(क) **चीफ नोडल सुपरवाईजर:** जिन शहरों में विद्यालयों की संख्या अधिक थी और एक विषय में चार या अधिक मुख्य परीक्षक शामिल थे उनमें मूल्यांकन के लिए चीफ नोडल सुपरवाईजर के रूप में बोर्ड द्वारा विद्यालय के प्राचार्य नियुक्त किए गये। इससे मूल्यांकन कार्य के उचित प्रबंधन, पर्यवेक्षण और उसे समय पर पूरा करना सुनिश्चित किया गया ।

(ख) **पर्यवेक्षण–सारणी:** प्रश्न–पत्रों से संबंधित छात्रों की संगत शिकायतों के निपटान हेतु सभी विद्यालयों के प्राचार्यो को पर्यवेक्षण सारणी भेजी गई जिससे वे संबंधित विषय की परीक्षा के आयोजन के 24 घंटे के भीतर अपने सुझाव दर्ज कर अग्रेषित कर सकें ताकि अंकन–योजना तैयार करते समय विशेषज्ञों द्वारा उन पर विचार किया जा सके।

(ग) **अनिवार्य मूल्यांकन :** मूल्यांकन के लिए चयन किए गए शिक्षकों को सूचित किया गया कि निर्धारित तिथि एवं समय पर रिपोर्ट करें अन्यथा उनके वार्षिक अभिलेख में इसकी प्रविष्टि की जाएगी। यह भी कहा गया कि किसी विद्यालय द्वारा शिक्षकों को कार्यमुक्त न करने पर उस संस्थान के परिणाम रोके जा सकते हैं । बोर्ड उनकी सम्बद्धता रद्द करने की कार्रवाई करने पर भी विचार कर सकता है ।

विषेश वर्ग दृष्टिहीन और पर्सन विद डिसेबिलिटि एक्ट 1995 में परिभाषित अशक्तता वाले विद्यार्थियों के लिए सुविधाएं :

1. मिडिल स्कूल (अर्थात आठवीं कक्षा) स्तर तक तृतीय भाषा के अध्ययन से छूट ।

2. सेकेन्ड्री स्कूल स्तर पर एक छात्र के लिए एक भाषा और निम्नलिखित विषयों में से कोई चार विषय लेने का विकल्प है।

Smooth Evaluation

(a) **Chief Nodal Supervisor:** The Board appointed School principals as Chief Nodal Supervisors for evaluation purpose in cities where the number of schools was large and three or more Head Examiners were involved in a subject. The Chief Nodal Supervisors were put in charge of the same subject, which he or she had taught or had been teaching as PGT or Principal. This ensured proper manageability, supervision and timely completion of evaluation work.

(b) **Observation Schedules:** To give fair deal to the question papers and redress genuine grievances of the students, observation schedules were sent to all the schools principals to record and forward their suggestions within 24 hours of the conduct of examination of concerned subject so that these could be considered subject so that these could be considered by the expert group while preparing the marking schemes.

(c) **Mandatory evaluation:** Teachers selected for evaluation work had to report on the appointed date and time to avoid a mention in their annual records. Non- release of teachers by any school could lead to withholding the result of the defaulting institution. The Board could also consider and initiate disaffiliation proceedings.

Exemptions given to Special Children and candidates with disabilities as defined in the Persons with Disabilities Act, 1995:-

1. Exemption from studying third language up to middle school level (i.e. Class VIII);

2. At Secondary School level a candidate has an option to opt for one language and any four of the following electives.

गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अन्य भाषा, संगीत, पेटिंग, गृह विज्ञान एवं प्रारंभिक सूचना प्रौद्योगिकी, कॉमर्स (ऐलिमेन्टस ऑफ कॉमर्स) एवं कॉमर्स (ऐलिमेन्टस बुक कीपिंग और अकाउंटेंसी)

3. लेखन सहायक के प्रयोग की अनुमति।

4. लेखन सहायक परीक्षा दे रहे परीक्षार्थी से छोटी कक्षा का विद्यार्थी होता है ।

5. परीक्षा केन्द्र अधीक्षक उपयुक्त लेखन सहायक चुनकर उसका विवरण, विचारार्थ और अनुमोदन के लिए संबंधित क्षेत्रीय अधिकारी को भेजता है ।

6. उपरोक्त श्रेणी के विशेष विद्यार्थियों को लेखन सहायक की सेवायें निःशुल्क दी जाती है ।

7. लेखन सहायक को बोर्ड द्वारा निर्धारित 100/- रू0 प्रति दिन का पारिश्रमिक दिया जाता है ।

8. परीक्षार्थियों को सभी या किसी भी एक पेपर में लेखन सहायक की अनुमति दी जाती है

9. परीक्षार्थियों को स्वयं डाईग्राम इत्यादि बनाने की भी अनुमति है।

10. 10वीं और 12वीं की परीक्षा में बैठने वाले विशेष श्रेणी के विद्यार्थियों को निम्नानुसार अतिरिक्त समय की अनुमति दी जाती है :–

(क) 3 घण्टे की अवधि के प्रत्येक पेपर के लिए 60 मिनट

(ख) 2½ घण्टे की अवधि के प्रत्येक पेपर के लिए 50 मिनट

(ग) 2 घण्टे की अवधि के प्रत्येक पेपर के लिए 40 मिनट

(घ) डेढ घण्टे की अवधि के प्रत्येक पेपर के लिए 30 मिनट

Mathematics, Science, Social Science, another Language, Music, Painting, Home Science, Foundation of Information Technology, Commerce (Elements of Commerce) and Commerce (Elements of Book Keeping and Accountancy)

3. permission to use an amanuensis;

4. the amanuensis must be of a student of class lower than the one for which the candidate will be taking the examination;

5. the Centre Superintendent of the Examination Centre chooses a suitable amanuensis and forwards his/her particulars to the Regional Officer concerned for consideration and approval;

6. the services of amanuensis are provided free of cost;

7. the amanuensis is paid remuneration as prescribed from time to time by the Board, which at present is Rs.100/- per day;

8. the candidate may be permitted to use the services an amanuensis in all or any of the papers.

9. the candidate may be permitted to draw the diagrams etc. themselves, if desired by them.

10. Special category students appearing for X or XII examination are allowed additional time as given below:

(i) 60 minutes for a paper of 3 hours duration.

(ii) 50 minutes for a paper of 2 ½ hours duration

(iii) 40 minutes for a paper of 2 hours duration

(iv) 30 minutes for a paper of 1 ½ hours duration

11. केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त श्रेणी के परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था जहां तक संभव हो भूतल पर करेगें ।

12. कक्षा–10वीं के कम्यूनिकेटिव इंग्लिश और सामान्य विज्ञान विषय में तथा कक्षा 12वीं में इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र में दृष्टिहीन परीक्षार्थियों के लिए दृश्य प्रश्नों के स्थान पर वैकल्पिक प्रश्न दिए जाते हैं ।

13. कक्षा 10 के दृष्टिबाधित छात्रों के लिए गणित एवं विज्ञान के प्रश्न पत्र ब्रेल मे होगें ।

14. क्षीणदृष्टि वाले परीक्षार्थियों को कक्षा–10वीं में विज्ञान और गणित के लिए बड़े प्रिंट में अलग से प्रश्न–पत्र दिये जाते हैं ।

15. केन्द्र अधीक्षकों को विशेष वर्ग के परीक्षार्थियों की उत्तर–पुस्तिकाओं को एक अलग कवर में संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय को भिजवाने के निर्देश दिए जाते हैं ।

16. इन विद्यार्थियों की सुविधा के लिए कुछ चुने हुए विद्यालयों को ही परीक्षा केन्द्र बनाया जाता है ।

17. दिल्ली में नेत्रहीन परीक्षार्थियों को उत्तर लिखने के लिए कम्प्यूटर या टाइपराइटर के प्रयोग करने की सुविधा है ।

18. दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के अध्यापकों को ही सहायक अधीक्षक (निरीक्षक) के रूप में परीक्षा केन्द्रों पर नियुक्त किया जाता है । तथापि सावधानी के तौर पर भिन्न दिनों में भिन्न विषयों के अध्यापक नियुक्त किये जाते हैं ।

19. विशेष वर्ग के परीक्षार्थियों के लिए उत्तर–पुस्तिका के ऊपर पृष्ठ पर एक अलग कॉलम दर्शाया गया है ताकि ऐसी उत्तर पुस्तिकाओं को बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय को अलग से भिजवाया जा सके।

20. परीक्षार्थियों के लिए स्वयं गणना का कार्य करना अनिवार्य नही है ।

11. the Centre Superintendent shal make the sitting arrangements forl special category candidates on the ground floor, as far as possible;

12. alternative type questions are provided in lieu of questions having visual inputs for the blind candidates in English Communicative and Social Science for Class X and History, Geography and Economics and Political Science for Class XII;

13. Question papers of Mathematics and Science in Braille are provided in Class X for Blind candidates.

14. separate question papers in enlarged print for Mathematics and Science in Class X are provided for candidates having visual impairment;

15. the Centre Superintendent(s) are directed to send the answer books of special category students in separate covers to the Regional Office concerned;

16. to facilitate easy access, a few selected schools are made examination centres for special students;

17. Blind candidates from Delhi have the facility to use computer or a typewriter for writing answers;

18. Teachers from blind schools are appointed as Assistant Superintendent(s) (Invigilators) at the special examination centres. However, precaution be taken to appoint different subject teachers on different days;

19. a separate column has been provided on the title page of the answer book for indicating the category of special candidates so that these answer books could be segregated for sending them separately to the Regional Office of the Board.

20. It is not mandatory for these candidates to do the calculations themselves.

2013 से दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए जेएडब्ल्यूएस सॉफ्टवेयर

बोर्ड की कक्षा X और XII वर्ष 2013 में परीक्षा में शामिल होने वाले दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को जेएडब्ल्यूएस (जॉब एक्सेस विद स्पीच) सॉफ्टवेयर के प्रयोग करने की अनुमति दी गई।

From 2013 examination JAWS Software for visually impaired students

Visually challenged candidates appearing for the Board's Class X/XII were permitted to use JAWS (Job Access with Speech) software for the 2013 examination.

25 वीं अखिल भारतीय प्री मेडिकल/प्री डैंटल प्रवेश परीक्षा

भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसरण में 25 वीं अखिल भारतीय प्री मेडिकल/प्री डैंटल प्रवेश परीक्षा दो चरणों, में 1 अप्रैल 2012 को प्रारंभिक तथा 13 मई 2012 को संपन्न हुई।2,75,742 विद्यार्थी एआईपीएमटी के लिए पंजीकृत हुए। मुख्य प्रारंभिक परीक्षा में 2,57,960 परीक्षार्थी बैठे। प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम 14.04.2012 को घोषित हुआ। मुख्य परीक्षा के लिए 30,792 सफल हुए। मुख्य परीक्षा का परिणाम 02.06.2012 को घोषित हुआ। 13,960 परिक्षार्थी मेरिट तथा प्रतीक्षा सूची में थे।

एनईईटी 2013

भारतीय चिकित्सा परिषद् तथा भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर उनके अधिकार क्षेत्र के तहत संस्थानों में 100 प्रतिशत एमबीबीएस/बीडीएस सीटों के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) यूजी 2012–2013 के आयोजन का उत्तरदायित्व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को सौंपा गया है।

शैक्षणिक सत्र 2013–14 के लिए एमबीबीएस/बीडीएस कोर्सो में प्रवेश के लिए प्रथम राष्ट्रीय सह पात्रता प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) यूजी 2013 का आयोजन 5 मई 2013 (रविवार) को होना निश्चित हुआ है। भारत और विदेशों में 85 शहरों में आयोजित होने वाली इस परीक्षा के लिए कुल 7,26,612 उम्मीदवार पंजीकृत हुए हैं।

25th All India Pre-Medical/ Pre-Dental Entrance Examination

In pursuance of the Supreme Court of India directive, the 25th All India Pre-Medical/ Pre-Dental Entrance Examination was conducted in two phases on 01st April, 2012(preliminary) &on 13th May, 2012(final). 2,75,742 candidates were registered for the AIPMT examination. 2,57,960 candidates appeared in the preliminary examination. The result of preliminary stage examination was declared on 14.04.2012 and 30,792 candidates were qualified for final stage examination. The result of final examination was declared on 02.06.2012. 13,960 candidates were placed in merit/wait list.

NEET 2013

The Central Board of Secondary Education has been entrusted with the responsibility of conducting the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) UG-2013 by the Ministry of Health and Family Welfare, Government of India pursuant to the notifications issued by the Medical Council of India and Dental Council of India at National level for the 100% MBBS/BDS seats in the institutions under their jurisdiction.

First National Eligibility cum Entrance Test (NEET) UG-2013 is scheduled to be held on 5th May, 2013 (Sunday) for admission to MBBS/ BDS Courses for academic session 2013-14. A total of 726612 candidates registered for the Test to be conducted in 85 cities in India and abroad.

11वीं अखिल भारतीय अभियांन्त्रिकी प्रवेश परीक्षा

देश में प्रोफेशनल तथा तकनीकी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षाओं की बहुलता को कम करने के उद्देश्य से इंजीनियरी, फार्मेसी और वास्तुकला कार्यक्रमों की व्यवस्था करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने एनआईटी, आईआईआईटी एवं सीएफआईटी, मानित विश्वविद्यालयों, केन्द्रीय संस्थानों में संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) द्वारा समावेशित के अलावा केन्द्रीय संस्थानों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र के संस्थानों में दोनों निशुल्क/भुगतान सीटों के लिए प्रवेश के लिए वर्श 002 से केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को अखिल भारतीय अभियांत्रिकी प्रवेश परीक्षा (एआईईई) आयोजित करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया।

11वीं अखिल भारतीय अभियांत्रिकी प्रवेश परीक्षा दिनांक 29 अप्रेल 2012 को 38 शहरों जिसमें दुबई, रियाध और बहरीन शामिल हैं, में 1,735 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित हुई। इस वर्श 10,70,272 उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए।

जेईई 2013

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशों और जेईई एपेक्स बोर्ड के उत्तरवर्ती निर्णय के अनुसरण में सीबीएसई द्वारा पूर्व में आयोजित अखिल भारतीय अभियांत्रिकी प्रवेश परीक्षा (एआईईईई) अब वर्श 2013 के लिए जेईई (मेन) के रूप में जाना जाता है।

परीक्षा ऐसे उम्मीदवारों लिए है जो आईआईटी तथा आईएसएम धनबाद द्वारा पेश परास्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए इच्छा रखने वाले उम्मीदवारों के लिए हैं। उम्मीदवारों को जेईई (मेन) पेपर–। में अर्हता प्राप्त करनी होगी और संबंधित आईआईटी/आईएसएम द्वारा आयोजित की जाने वाली जेईई (एडवान्स्ड) देने के लिए पात्र होने हेतु अनुबंध अनुसार रेंक प्राप्त करना होगा।

11th All India Engineering Entrance Examination

With a view to reduce the multiplicity of tests for admission to professional and technical programmes in the country to cater to engineering, pharmacy and architecture programmes, Ministry of Human Resource Development assigned the responsibility to the CBSE for conductiang All India Engineering Entrance Examination (AIEEE) from the year 2002 for admission in the NITs, IIITs & CFITs, Deemed universities, central institutions other than those covered by Joint Entrance Examination (JEE) and institutions in the States/UTs for both the free /payment seats.

The 11th and concluding All India Engineering Entrance Examination was conducted on 29th April, 2012. In all there were 1735 examination centres located in 88 cities including Dubai, Riyadh and Bahrain. 1070278 candidates appeared in the azexam this year.

JEE 2013

In pursuance of MHRD's directions and subsequent decisions of the JEE Apex Board, All India Engineering Entrance Examination (AIEEE) conducted earlier by CBSE will now be known as JEE (Main) for the year 2013.

The exam is meant for the candidates aspiring for admission to undergraduate programmes offered by the IITs and ISM Dhanbad. The candidates also have to qualify JEE (Main) Paper I and secure ranking as per stipulation for being eligible to take JEE (Advance) to be conducted by respective IITs/ISM.

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा

बोर्ड द्वारा एक वर्ष में तीन बार जे.एन.वी. में छठी कक्षा में प्रवेश के लिए परीक्षाएं संचालित की जाती हैं। ग्रीश्मबंद्ध के लिए फरवरी, शरदबंद्ध विद्यालयों के लिए अप्रैल। नव स्थापित जवाहर नवोदय विद्यालय की परीक्षा जून 2012 में आयोजित की गई। कुल पंजीकृत विद्यार्थी की समपूर्ण संख्या 16,65,916 थी।

जे.एन.वी में कक्षा नौवीं के लिए चयन परीक्षा

सीबीएसई द्वारा नौवीं में प्रवेश परीक्षा का भी संचालन किया जाता है। जून 2012 में परीक्षा में लगभग 1,08,000 परीक्षार्थियों ने भाग लिया।

JawaharNavodayaVidyalaya

The selection tests for admission to class VI in JNVs are conducted by the Board thrice a year, February for summer bound schools, April for winter bound schools. For newly established Jawahar Navodaya Vidyalayas, The Examination was conducted in June,2012. Total number of candidates registered for all JNV exam was 16,65,916.

Selection Test for Class IX

CBSE also conducts the examination for admission to class IX. Approximately 1,08,000 candidates registered for the examination held in 2012.

वर्ष 2012 के जेएनवीएसटी के आंकड़ों पर नजर
JNVST Statistics for the year 2012 at a Glance

साल और कक्षा	परीक्षा की तिथि	परिणाम की दिनांक	पंजीकृत विद्यार्थी की संख्या	प्रस्तुत विद्यार्थियों की संख्या
शरदबंद्ध 2012 और VI	12.02.2012	15.06.2012	13,06,997	11,79,718
शरदबंद्ध 2012 और VI	14.04.2012	06.07.2012	3,58,919	2,57,176
शरदबंद्ध 2012 और VI	10.06.2012	0.07.2012		
2012 और IX	12th May 012	आंतरिक	1,08,000	*

Years & Class	Date of Examination	Date of Result	No. of candidates registered	No. of candidates appeared
Summer 2012 & VI	12-02-2012	15-06-2012	13,06,997	11,79,718
Winter 2012 & VI	14-04-2012	06-07-2012	3,58,919	2,57,176
Extreme Winter 2012 & VI	10-06-2012	09-07-2012		
2012 & IX	12th May, 2012	Internal	1,08,000	*

केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने आरटीआई अधिनियम की धारा–23 की उप धारा–1 के प्रावधानों के अनुसार शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने का उत्तरदायित्व केन्द्रीय सरकार की ओर से केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को सौंपा है।

Central Teacher Eligibility Test

The Ministry of Human Resources Development, has entrusted the responsibility of conducting the Teacher Eligibility Test in accordance with provisions of Sub-Section-I of Section-23 of the RTE Act on behalf of the Central Government to the Central Board of Secondary Education, Delhi.

अनुप्रयोज्यता

1. सीटीईटी केन्द्रीय सरकार के विद्यालयों (केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय व तिब्बती स्कूलों आदि) तथा संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दमन और दिव, दादरा, नगर हवेली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन विद्यालयों के लिए लागू होगा।

2. गैर सहायता प्राप्त प्राइवेट विद्यालय जो सीटीईटी के विकल्प पर विचार करना चाहते है, के लिए भी सीटीईटी लागू होगा।

3. राज्य सरकार/स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित तथा स्वामित्व के विद्यालयों और सहायता प्राप्त विद्यालय राज्य सरकार द्वारा आयोजित सीटीईटी पर विचार करेंगे। तथापि, राज्य सरकार भी सीटीईटी पर विचार कर सकती है यदि वह टीईटी आयोजित नहीं करने का निर्णय करती है।

वर्ष 2012 के दौरान सीटीईटी का आयोजन दिनांक 29 जनवरी 2012 और 18 नवम्बर 2012 को किया गया। एक विशेष सीटीईटी परीक्षा दादरा एवं नागर हवेली तथा दमन एवं दिव के लिए गुजराती एवं मराठी माध्यम में दिनांक 05.05.2012 को 4 केन्द्रों में भी आयोजित की गई।

कुल 3013 उम्मीदवार पंजीकृत हुए जिसमें से 2786 परीक्षा में शामिल हुए। आयोजित परीक्षाओं का विवरण इस प्रकार हैः–

APPLICABILITY

I. The CTET applies to schools of the Central Government (KVS, NVS, Central Tibetan Schools, etc.) and schools under the administrative control of UT's of Chandigarh, Dadra & Nagar Haveli, Daman & Diu and Andaman & Nicobar Islands and NCT of Delhi.

II. Unaided private schools, may exercise the option of considering the CTET.

III. Schools owned and managed by the State Government/local bodies and aided schools shall consider the TET conducted by the State Government. However, a State Government can also consider the CTET if it decides not to conduct the State TET.

During the year 2012, CTET was conducted on 29th January, 2012 and 18th November, 2012. A special CTET Exam was also conducted for the UTs, of Dadra & Nagar Haveli and Daman & Diu in Gujarati and Marathi Medium on 05.05.2012 at 4 centres.

A Total of 3013 candidates were registered out of which 2786 appeared. The details of examinations held are as under:-

सीटीईटी–जनवरी 2012
CTET-JAN 2012

कुल उम्मीदवार **No. of candidates**	पंजीकृत **Regd.**	शामिल **Appeared**	अर्हक **Qualified**
पेपर 1 Paper I	483304 483304	400775 400775	21402 21402
पेपर 2 Paper II	679748 679748	584477 584477	37561 37561
कुल Total	864244 864244	748626 748626	51254 51254
केन्द्र शहर Centre Cities	82		**कुल केन्द्रः** Total Centres : 1269

सीटीईटी–नवम्बर 2012
CTET-NOV 2012

कुल उम्मीदवार **No. of candidates**	पंजीकृत **Regd.**	शामिल **Appeared**	अर्हक **Qualified**
पेपर 1	322187	271351	2481
Paper I	322187	271351	2481
पेपर 2	618436	524432	37561
Paper II	618436	524432	37561
कुल	940623	795783	4849
Total	940623	795783	4849
केन्द्र शहर Centre Cities	88		कुल केन्द्रः Total Centres : 1178

प्रवीणता परीक्षा–2012

प्रवीणता परीक्षा–2012 का आयोजन दिनांक 9 जुलाई से 13 जुलाई 2012 तक पूरे देश में किया गया :–

PROFICIENCY TEST-2012

The Proficiency Test – 2012 was conducted throughout the country from 9th July to 13th July, 2012.

परीक्षा में शामिल हुए उम्मीदवारों की संख्या No. of candidates appeared in the test	:	4,599
पूरे भारत एवं विदेश में केन्द्रों की संख्या No. of Centres throughout ndia and abroad	:	182
विद्यालयों की संख्या जिनके छात्र परीक्षा में शामिल हुए No. of schools whose students appeared in the Exam.	:	496

सीबीएसई कांउसलिंग
CBSE COUNSELLING

सीबीएसई कांउसलिंग

सीबीएसई ने अग्रगामी सामुदायिक कार्य के रूप में मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग 14 वर्ष पूर्व 1998 में पहली बार फोन–इन अर्थात टेलीकाउंसलिंग से आरंभ किया था।

सीबीएसई काउंसलिंग एक प्रचार कार्यक्रम है जो कि विद्यार्थियों की तथा भौगोलिक विविधताओं को ध्यान में रख कर बनाया गया है।

सीबीएसई देश का एकमात्र ऐसा बोर्ड है जो विभिन्न पद्धतियों के माध्यमों से कक्षा X और XII के परीक्षार्थियों को काउंसलिंग उपलब्ध कराता है, जैसे टेली काउंसलिंग, राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रश्न उत्तर कॉलम, ऑनलाइन काउंसलिंग इत्यादि।

CBSE COUNSELLING

CBSE started psychological counselling as a pioneering community work 14 years back in 1998 for the first time with phone in tele-counselling.

The CBSE counselling is an outreach programme which is carefully designed keeping the heterogeneity of students' population and geographical spread in mind.

CBSE is the only board in the country which provides psychological counseling via multiple modes to the Class X and XII examinees, such as Tele-counseiling, Question Answer Columns in national newspapers, online counselling.

सीबीइएसई टेली काउंसलिंग के अंग
Components of CBSE Counselling Service

सीबीइएसई टेली काउंसलिंग की मुख्य बातें

1. टेली काउंसलिंग सेवा सीबीएसई से संबद्ध देश, विदेश में स्थित विद्यालयों के प्राचार्यो और प्रशिक्षित काउंसलरों द्वारा संचालित की जाती है।
2. यह स्वैच्छिक, निःशुल्क सेवा सहभागियों द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

Highlights of CBSE Tele-counselling

1. Tele-counselling is offered by trained counselors and Principals from within CBSE affiliated schools located in and outside India.
2. It is a voluntary, free of cost service provided by the participants.

3. यह सेवा वर्ष में दो बार प्रथम चरण परीक्षा से पूर्व तथा द्वितीय चरण परिणामों के उपरांत संचालित की जाती है। वार्षिक कांउसलिंग से पूर्व, प्रतिपुष्टि और प्रशिक्षण अधिवेशन नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। इस प्रकार के अधिवेशनों का आशय विद्यार्थियों व अभिभावकों में कांउसलिंग कौशल में सहभागिता को बढ़ाना है। छात्रों एवं अभिभावकों के लिए अकसर पूछे जाने वाले प्रश्नों के रूप में सहायक सामग्री, सलाहकारों के लिए प्रशिक्षण मैनुअल तैयार करना और अद्यतन करना इस परियोजना के अंतर्गत एक नियमित विशेषता है।

प्रथम चरणः फरवरी–मार्च 2012 पूर्व परीक्षा टेली काउंसलिंग

इस वर्ष सीबीएसई से संबद्ध राजकीय और प्राईवेट विद्यालयों के 68 प्राधानाचार्यों, प्रशिक्षित काउंसलरों, मनोवैज्ञानिकों और समाज–वैज्ञानिकों ने सुबह 8 बजे से अर्धरात्रि तक काउंसलिंग प्रदान की। कुल में से 56 भारत में तथा 12 केन्द्र सऊदी अरब, युएई, नेपाल, कुवैत, ओमन तथा जापान में बनाए गए।

द्वितीय चरणः परिणाम के पश्चात् टेली काउंसलिंग

काउंसलिंग का दूसरा चरण बोर्ड द्वारा परिणामों की घोषणा के बाद आरंभ होता है। जबकि इस चरण की कार्यप्रणाली प्रथम चरण के समान है, टेली काउंसलिंग का फोकस परिणाम संबंधी चिंता और जीविका विकल्पों पर केन्द्रीत होती है।

इस वर्ष सीबीएसई से संबद्ध सरकारी तथा प्राइवेट विद्यालयों के 50 प्रधानाचार्य, प्रशिक्षित कांउसलर, मनोवैज्ञानिक तथा समाज विज्ञानी प्रातः 8 बजे से अर्धरात्री तक उपलब्ध थे। इनमें से 40 भारत में तथा 10 जापान, कुवैत, दोहा–कतर तथा सउदी अरब, यूएई और खोबर में थे।

भारत में केन्द्रीकृत टोल फ्री हेल्पलाइन

सीबीएसई हेल्पलाइन की केंद्रीकृत सुविधा की प्राप्ति के

3. It is offered twice in the year: Phase I- Pre Exam, Phase II- Post Result. Prior to the annual counselling, feedback and training sessions are conducted regularly. Such sessions are meant to enhance the student and parent counselling skills of participants. Preparing and updating support material in the form of FAQs for students and parents, Training Manuals for the counsellors is a regular feature under this programme.

Ist Phase: Feb- March 2012 Pre Examination Tele- Counselling

As many as 68 Principals, trained counselors from CBSE affiliated govt. and private schools, psychologists and social scientists provided counselling from 8 a.m. up to mid-night. A total of 56 of them were located in India while 12 were placed in Kingdom of Saudi Arabia, UAE, Nepal, Kuwait, Sultanate of Oman and Japan.

IInd Phase: Post result Tele-Counselling

The second phase of counselling begins after the announcement of results by the board. While *modus operandi* of this phase is similar to the first phase, the focus of tele-counselling shifts on the results related anxiety and career choices.

This year as many as 50 Principals, trained counsellors from CBSE affiliated government and private schools, psychologists and social scientists were available to provide help from 8 a.m. up to mid night. Out of these 40 were located in India while 10 were located in Japan, Kuwait, Doha-Qatar and Saudi Arabia, UAE and Khobar.

Centralized Toll Free Access in India

A facility was provided to the Students to dial a

लिए छात्र भारत के किसी भी स्थान से शुल्क रहित अर्थात टोल फ्री नम्बर डायल कर सकते थे। जहां सामान्य प्रश्नों का उत्तर प्रचालकों द्वारा दिया गया व परीक्षा संबंधी चिंता या तनाव के मामले में उनका संपर्क प्राचार्यो या परामर्शदाताओं से कराया गया।

सीएएस का विश्लेषण

चूंकि टेली–काउंसलिंग केन्द्रीकृत अभिगम प्रणाली (सीएएस) के द्वारा आयोजित की जाती है, सेवाओं में आगे सुधार के लिए 'काल' करने वालों की मांग की तुलना में उपयोगिता को मापने के लिए काल डेटा का विश्लेषण इन–हाउस किया गया। इस विश्लेषण से कई महत्वपूर्ण तथ्य प्रकट हुए।

toll free number from any part of the country to get centralized access to CBSE helpline. While the general queries were answered by the operators, students were connected to the principals or counsellors in case of exam related anxiety or stress.

Analysis of CAS

As the tele-counselling is conducted via Centralised Access System (CAS), an analysis of call data was done in-house to gauge the utility vis-à-vis requirement of callers for further improvement of services. This analysis unfolds some important facts.

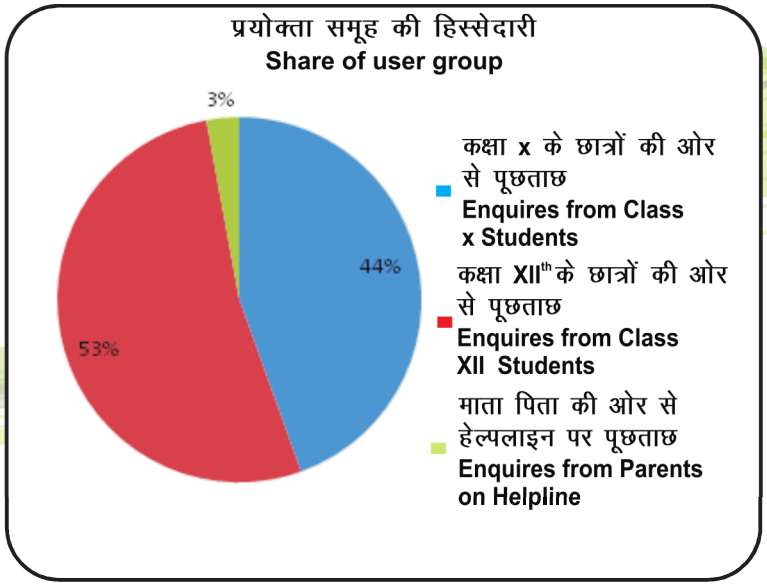

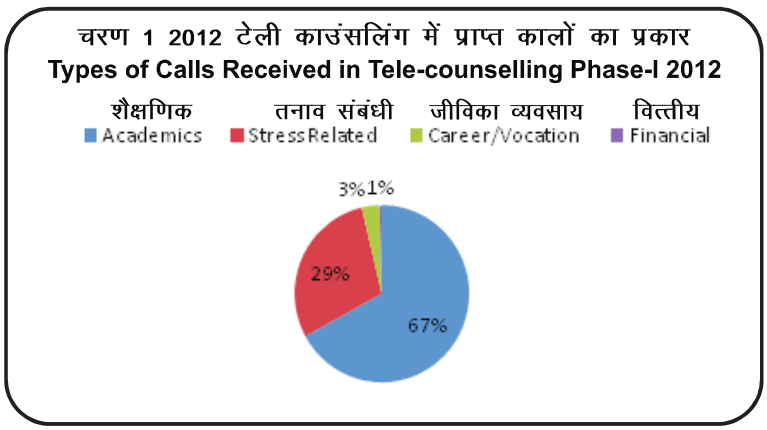

विशेष वर्ग के बच्चों के लिए काउंसलिंग

इस वर्ष भी सीबीएसई द्वारा विशेष वर्ग के बच्चों की आवश्यकताओं और चिंताओं का ध्यान रखते हुए काउंसलिंग की सुविधा की व्यवस्था की गई। विशेष वर्ग के बच्चों के प्रश्नों तथा दुविधाओं का जवाब देने के लिए बोर्ड ने विशेषज्ञ नियुक्त किए।

सीबीएसई वेबसाइट

परीक्षा से संबंधित सूचना और परीक्षा से संबंधित चिंताओं से निपटने की तकनीकें सीबीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई। परीक्षा चरण को पार करने के लिए पर्याप्त मात्रा में छात्र अनुकूल सामग्री की आसान प्राप्ति के लिए बोर्ड ने सीबीएसई वेबसाइट को नियमित रूप से समृद्ध बनाया।

प्रश्न–उत्तर कॉलम

सीबीएसई विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों के सवालों का जवाब देने के लिए पिछले वर्षों की तरह फरवरी माह में प्रश्न–उत्तर कॉलम के लिए प्रमुख राष्ट्रीय समाचार–पत्रों जैसेः– **द हिंदू, हिंदुस्तान टाइम्स, मलयालम मनोरमा तथा अमर उजाला** जैसे समाचार–पत्रों से भी सहभागिता की।

ऑनलाइन काउंसलिंग

सीबीएसई ने परीक्षा संबंधित मामलों के बारे में जन सामान्य को बोर्ड की वेबसाइट के द्वारा अध्यक्ष से वार्तालाप करने की सुविधा भी प्रदान की गई। सीबीएसई के निदेशक (शैक्षिक) व परीक्षा नियंत्रक भी ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए उपलब्ध रहे।

Counselling for Specially Abled Children

This year also CBSE had arranged counselling facility for specially abled children to take care of their needs and anxiety. Experts to attend the queries and dilemma of specially abled children were also designated by the board.

CBSE website

Information related to examinations and techniques to cope with exams related anxiety were also provided at the CBSE website. CBSE website has been enriched continuously for easy access of plenty of student friendly material to sail through exam phase.

Question-Answer Columns

As in previous years, CBSE tied-up with national papers like **The Hindu, The Hindustan Times, Malyalam Manorama and Amar Ujala** for weekly Question Answer Columns throughout the month of February to answer queries of students by CBSE experts.

On-Line Counselling

CBSE also provided the facility for the public to Interact with Chairman via website on exam related issues. The Director (Academic) and Controller of Examinations, CBSE were available for On-line counseling.

सीबीएसई काउंसलिंग 2013 की विशिष्टताएं
Highlights of CBSE Counselling-2013

वार्षिक राष्ट्रीय कार्यशाला
Annual National Workshop

बोर्ड के टेली काउंसलरों की वार्षिक बैठक जनवरी 2013 में हुई जिसमें अनेक प्रधानाचार्य, अध्यापक, काउंसलर तथा विशेषज्ञ उत्साह के साथ शामिल हुए। यह बैठक सीबीएसई हेल्पलाइन से संबंधित मामलों पर अपने विचारों का आदान–प्रदान करने और इसमें आगे सुधार के लिए सभी स्टेकहोल्डर को एक अवसर उपलब्ध कराती है।

The annual meet of Board's tele-counsellors was held in January 2013 in which a number of principal, teacher counsellors and expert participated enthusiastically. This meet provided an opportunity to the entire stakeholder to exchange their views over the issue related to CBSE helpline and improve it further.

टेली काउंसलरों के लिए अद्यतन मैनुअल
Updated Mannual for Tele Counsellors

इस वर्ष बोर्ड ने 'A concise manual for tele counsellors 2013' नामक एक नया अद्यतन मैनुअल तैयार किया। इस मैनुअल में सामान्यतः काउंसलिंग और विशेषकर टेली काउंसलिंग से संबंधित मुद्दों की एक विस्तृत विविधता शामिल है। अध्यक्ष सीबीएसई द्वारा बोर्ड के वार्षिक टेली काउंसलिंग सत्र में भाग लेने वाले काउंसलर सहभागियों की सहायता करने के उद्देश्य से टेलीकाउंसलरों के लिए नये अद्यतन मैनुअल का लोकार्पण किया गया।

यह भी विलक्षण है कि बोर्ड के मैनुअल में विशिष्ट रूप से सक्षम बच्चों की काउंसलिंग पर एक सम्पूर्ण खंड समर्पित किया है।

This year a new updated manual entitled **'A Concise Manual for Tele Counsellors 2013'** was prepared by the Board. This manual covers a wide variety of issues pertaining to counselling in general and tele-counselling in particular. The new manual has devoted a complete section on the counselling of specially abled children.

The new updated manual for tele-counsellors was released by the chairman CBSE with the intent to help the counsellors participating in Board's annual Tele-counselling sessions.

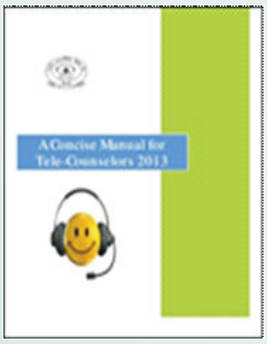

ग्रेडिंग
Grading

ग्रेडिंग प्रणाली वर्ष 2009–10 शैक्षिक सत्र से माध्यमिक विद्यालय स्तर पर कक्षा IX एवं कक्षा X के लिए लागू की जा चुकी है।

ग्रेडिंग योजना का उद्देश्य

- यह अंकों के आधार पर छात्रों के अनुचित वर्गीकरण को कम करेगी।
- यह उच्च लक्ष्य प्राप्त करने वालों के बीच हानिप्रद कटु प्रतियोगिता को दूर करेगी।
- यह समाजिक दबाव को कम करेगी और शिक्षार्थी को सीख के अवसर प्रदान करेगी।
- यह एक बेहतर अधिगम वातावरण पर फोकस करेगी।
- यह आनन्दमय और तनावमुक्त अधिगम को बढ़ावा देगा।

परीक्षा की योजना (ग्रेडिंग)

- छात्र के निष्पादन का निर्धारण संख्यात्मक अंकन की परंपरागत पद्धति से किया जाता है।
- विषयवार निष्पादन दर्शाने के लिए एक नौ बिंदु मान के आधार पर ग्रेड प्रदान किये जाते हैं।

The Grading system has been introduced at Secondary School level (for Classes IX & X) effective from 2009-10 Academic Sessions.

Aim of Grading

- It will minimize misclassifcaton of students on the basis of marks.
- It will eliminate unhealthy competition among high achievers.
- It will reduce societal pressure and will provide the learner with more fexibility.
- It will lead to a focus on a better learning environment
- It will facilitate joyful and stress free learning.

Scheme of Grading

- The student's performance is assessed using conventional method of **numerical marking.**
- The 'Grades' are awarded on a nine point scale to indicate the subject wise performance.

अंकों की श्रेणी	ग्रेड	ग्रेड अंक
91–100	ए1	10.0
81–90	ए2	9.0
71–80	बी1	8.0
61–70	बी2	7.0
51–60	सी1	6.0
41–50	सी2	5.0
33–40	डी	4.0
21–32	ई1	.....
20 और इससे नीचे	ई2	.....

Marks Range	Grade	Grade Point
91 -100	A1	10.0
81-90	A2	9.0
71-80	B1	8.0
61-70	B2	7.0
51-60	C1	6.0
41-50	C2	5.0
33-40	D	4.0
21-32	E1	-----
20 and below	E2	-----

अर्हक–मानदण्ड

- अध्ययन की योजना के अनुसार जो छात्र (अतिरिक्त विषय को छोड़कर) सभी विषयों में अर्हक ग्रेड (डी एवं ऊपर) प्राप्त करते हैं तो उन्हें एक अर्हक प्रमाण पत्र प्रदान दिया जाता है।
- अध्ययन की योजना के अनुसार (अतिरिक्त विषय को छोड़कर) सभी विषयों में जिन्हें अर्हक ग्रेड (डी एवं ऊपर) प्रदान किया गया है वे कक्षा–XI में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।
- **पूरक/उत्तीर्ण घोषित करने के चलन को समाप्त किया गया है।** अभ्यर्थी का परिणाम निम्नलिखित दर्शाएगा :

  1. अर्हक प्रमाणपत्र के लिए पात्र (QUAL)
  2. निष्पादन में सुधार के लिए पात्र (EIOP)

विषयवार निष्पादन का विवरण

- सभी छात्रों को जारी किए जाने वाले **''विषयवार निष्पादन का विवरण''** में ग्रेड, ग्रेड बिंदु (जीपी) और संचयी ग्रेड बिंदु औसत (सीजीपीए) दर्शाये जाते हैं।
- संचयी ग्रेड बिंदु औसत सभी विषयों (विषयों की योजना के अनुसार छठे अतिरिक्त विषय को छोड़कर) में प्राप्त ग्रेड बिंदु का औसत है।

Qualifying Criteria

- Those candidates who obtain the qualifying grades (D and above) in all the subjects excluding Additonal subject as per Scheme of Studies are awarded a Qualifying Certfcate.
- Those awarded a qualifying grades (D and above) in all the subjects excluding Additional subject as per Scheme of Studies shall be eligible for admission in Class XI.
- **The practice of declaring Compartment/ Fail has been discontinued.** The result of candidate indicates:

  1. Eligible for Qualifying Certificate (QUAL)
  2. Eligible for improvement of performance (EIOP)

Statement of Subject wise Performance

- The **"Statement of Subject wise Performance"** is issued to all candidates reflects the Grade, Grade Point (GP) and Cumulative Grade Point Average (CGPA).
- Cumulative Grade Point Average (CGPA) is the average of Grade Points obtained in all the subjects (excluding 6th additional subject as per Scheme of subjects).

- ग्रेड बिंदु (जीपी) और संचयी ग्रेड बिंदु औसत (सीजीपीए) पर आधरित तथा अंकों की प्रतिशतता का निर्धारण निम्नानुसार किया जा सकता है–
- विषयवार अंकों की निर्देशात्मक प्रतिशतता = 9.5 X विषय का ग्रेड बिंदु
- अंको का समस्त निर्देशात्मक प्रतिशतता = 9.5 X सीजीपीए

माध्यमिक परीक्षा में निष्पादन में सुधार के लिए पात्रता

यदि कोई छात्र एक अथवा सभी पांच विषयों में (अध्ययन की योजना के अनुसार छठें अतिरिक्त विषय को छोड़कर) ई1 या ई2 ग्रेड प्राप्त करता है तो वह एक अथवा सभी पांच विषयों में लगातार 5 प्रयासों द्वारा निष्पादन में सुधार के लिए पात्र होगा।

मेरिट प्रमाणपत्र

- बोर्ड उन छात्रों को मेरिट प्रमाण पत्र प्रदान करेगा जिन्होंने अर्हक मानदण्ड के अनुसार माध्यमिक स्कूल परीक्षा में सभी पांच विषयों में (छठे अतिरिक्त विषय को छोड़कर) ए1, ग्रेड प्राप्त किया हो।

- Based upon Grade point (GP) and Cumulative rade Point Average (CGPA), percentage of Marks can be computed as indicated below.
- Subject wise indicative percentage of marks =9.5xGP of the subject
- Overall indicative percentage of marks = 9.5 x CGPA

Eligibility for Improvement of Performance in Secondary Examination

A candidate obtaining Grade E1 or E2 in any or all the fve subjects (excluding 6th additonal subject as per the scheme of studies) shall be eligible for improvement of performance in any or all the five subjects through subsequent five attempts.

Merit Certificate

- The Board will award Merit Certificate to such candidates who have obtained Grade A1 in all the five subjects (excluding the 6th additonal subject) at the Secondary School examinaton, as per the qualifying criteria.

सीबीएसई छात्र सार्वभौम अभिक्षमता दर्शिका (एसजीएआई) : तीसरा संस्करण
CBSE Student's Global Aptitude Index (SGAI): Third Edition

सीबीएसई–एसजीएआई का दृष्टिकोण इस तथ्य पर आधारित है कि प्रत्येक व्यक्ति विशिष्ट है। एसजीएआई आकलन का एक मनोवैज्ञानिक साधन है जो विभिन्न सूचकों जैसे अभिक्षमता, रूचि तथा व्यक्तित्व का मूल्यांकन करता है और विशेष रूप से कक्षा x के छात्रों के लिए तैयार किया गया है।

एसजीएआई छात्रों तथा विद्यालयों के लिए एक वैकल्पिक कार्यकलाप है। तथापि, प्रतिपुष्टि से स्पष्ट है कि यह +2 स्तर पर विषय चयन करने में एक महत्वपूर्ण कार्यकलाप सिद्ध हुआ है। इसे भारतीय संदर्भ में **सीबीएसई संबद्ध प्राइवेट, सरकारी तथा सहायता प्राप्त विद्यालयों** में स्थित विविध छात्र समुदाय के अनुकूल बनाया गया है।

सीबीएसई एसजीएआई का प्राथमिक उद्देश्य विषय विकल्पों के बारे में एक संवाद आरंभ करने, अभिभावकों, अध्यापकों तथा छात्रों सहित बड़े समुदाय की सहायता करना है जिससे बाद में वे जीवन में प्रभावी जीविका योजना बना सकें। यद्यपि, विषय चयन से संबंधित अंतिम निर्णय अध्यापकों और अभिभावकों के परामर्श से ही लिया जाना चाहिए।

सीबीएसई छात्र सार्वभौम अभिक्षमता दर्शिका 2013

सीबीएसई ने पूरे भारत और विश्व में सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में छात्र सार्वभौम अभिक्षमता दर्शिका के तीसरे संस्करण का आयोजन किया। 1100 विद्यालयों से 70,000 से अधिक छात्रों ने एसजीएआई–2013 में भाग लिया।

पूरे भारत और विदेश से लगभग चार लाख छात्रों ने एसजीएआई के तीन उत्तरवर्ती संस्करणों में अबतक भाग लिया है।

The approach of CBSE-SGAI emphasizes upon the fact that each individual is unique. SGAI is a psychological tool of assessment which measures various indices such as **aptitude, interest and personality** and is specially designed for class X students.

SGAI is an **Optional Activity** for students as well as for schools. However, feedback shows that it has proved as an important activity in making subject choices at + 2 level. It has been customized in Indian context to suit the variety of student population present in CBSE affiliated **Private, Government and Aided Schools**.

The primary objective of CBSE SGAI is to help the larger population including parents, teachers and students to initiate a **dialogue on subject choices** that may lead to effective career planning later in life. Final decision on the subject choices should invariably be taken in consultation with teachers and parents.

CBSE Student Global Aptitude Index 2013

CBSE conducted the third edition of **Student's Global Aptitude Index across India** and **other affiliated schools of CBSE worldwide**. More than, 70, 000 students from 1,100 schools participated in SGAI- 2013.

Approximately four lakhs students from all over India and abroad have participated in three subsequent editions of SGAI, so far.

एसजीएआई का विकास

मनोमितीय, मनोवैज्ञानिक, मनोरोग विशेषज्ञ और परामर्शदाताओं की एक सलाहकार समिति ने वर्ष 2013 के लिए एसजीएआई तथा इसकी आकलन योजना को विकसित किया।

एसजीएआई प्रचार

अभिभावकों, अध्यापकों तथा छात्रों में सुग्राहीकरण और अनुकूल वातावरण बनाने के लिए, अध्यापक मैनुअल और बार–बार पूछे जाने वाले प्रश्नों को अद्यतन बनाया गया और अंग्रेजी और हिंदी दोनों में प्रकाशित किया। सूचना के विस्तृत प्रसार और संकल्पना स्पष्टता के लिए सामग्री को ऑनलाइन भी उपलब्ध कराया गया था।

Development of SGAI

SGAI 2013 was developed under the supervision of an Advisory Committee of psychometrics, psychologists, psychiatrists and counsellors.

Advocacy of SGAI

For sensitization and climate building of Parents, Teachers and Students; Teachers Manual and Frequently Asked Questions were updated and published in both English and Hindi. For wider dissemination of information and concept clarity the material was also made available on-line.

एसजीएआई के लिए अभिमुखी कार्यक्रम

वर्ष 2013 के लिए पूरे भारत में दिनांक 8 दिसम्बर से 20 दिसम्बर 2012 तक 10 अभिमुखी कार्यशालाओं का आयोजन निम्नलिखित स्थानों पर किया गया:–

Orientation Programmes for SGAI

For the year 2013 Ten Orientation workshops across India were held from **8th Dec. to 20th Dec. 2012** at-

कार्यक्रम के मूल उद्देश्य थे

- एसजीएआई के प्रयोजन, आवश्यकता तथा प्रासंगिकता के बारे में प्रधानाचार्यों, अध्यापकों, छात्रों तथा अभिभावकों को जागरुक करना।
- संकल्पना तथा क्षेत्र सहित एसजीएआई के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता और समझ बढ़ाना।
- विषय चयन के बारे में संवाद आरंभ करना। एसजीएआई कार्यकलाप मैनुअल 2013 पर आधारित सहभागी विद्यालयों में कार्यकलाप आयोजित करना।
- अभिभावक पसंद/सहपाठी दबाव और व्यक्तिगत क्षमताओं के बीच समझ विकसित करना ।
- सूचना एवं अनुभव बांटने के लिए विद्यालयों को एक मंच उपलब्ध कराना।

The broad objectives of the programmes were

- To sensitize Principals, Teachers, Students, and Parents about the purpose, need and relevance of SGAI.
- To increase awareness and understanding about the different aspects of SGAI including the concept and scope.
- To start a dialogue on subject choices and conduct activities in participating schools based on SGAI Activities Mannual-2013.
- To develop understanding between parents choices/ peer pressure and individual abilities.
- To provide a platform to the schools to share the information and experience.

अध्यापक प्रशिक्षण

कार्यक्रमों में एकरूपता और गुणवत्ता लाने के लिए मास्टर प्रशिक्षकों की सुविधा के लिए एडवोकेसी सामग्री, मानकीकृत पावर प्वाइंट में उपलब्ध कराए गए। एसजीएआई के आयोजन के दौरान प्रत्येक व्यक्ति की विशिष्ट भूमिका को उजागर करने के लिए प्रशिक्षण की रूपरेखा तैयार की गई थी। सभी कार्यक्रमों के सफल बनाने के लिए 'रोल प्ले' हिस्सेदारी और अन्तः क्रिया दृष्टिकोण का अनुसरण किया गया। कार्यक्रमों में संबोधित विषयवस्तु कार्यकलाप पर आधारित थी और एसजीएआई एडवोकेसी के आयोजन में प्रयोगात्मक अनुभव प्राप्त करने के लिए सहभागियों को सहायता मिली।

एसजीएआई की व्याख्या और आकलन

प्रत्येक छात्र को आंकलन रिपोर्ट जारी की गई जो रूचि, निजी विशेषता निष्पादन और सूचकों को प्रकट करती थी।

पर्यवेक्षण प्रश्न पुस्तिका, एसजीएआई 2013 के लिए आकलन रिपोर्ट प्रत्येक छात्र द्वारा दिये गये उत्तर तथा स्कूलों द्वारा दी गई सूचना पर आधारित थी।

Teacher Training

To bring the homogeneity and quality in the programmes, the Master Trainers were provided with the Advocacy Material, a standardized Power Point Presentation for their facilitation. The training was designed to highlight the specific role of each individual during the conduct of SGAI. Participatory and interactive approach including role plays was followed for the successful conduct of all the programmes. The themes addressed in the programmes were **activity based** and helped the participants to get hands on experience in conducting advocacy of SGAI.

Assessment and Interpretation of SGAI

The Assessment Reports reflecting **interest, personal characteristic, performance and indicators** were issued to individual students. The reports were based on the basis of responses submitted by the students and information supplied by the schools in the SGAI Question Booklet.

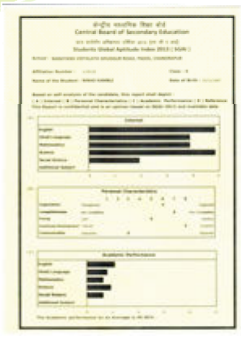

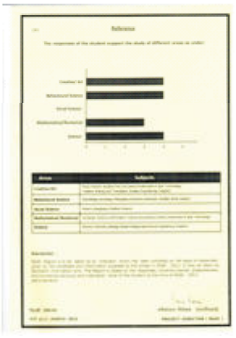

प्रतिपुष्टि सर्वेक्षण

एसजीएआई 2011 और एसजीएआई 2012 की उपयोगिता, महत्व तथा आवश्यकता जानने के उद्देश्य से बोर्ड द्वारा सहभागी विद्यालयों के लिए एक प्रारंभिक प्रतिपुष्टि सर्वेक्षण किया गया।

Feed Back Survey

With the objective to know the need, importance and usefulness of the SGAI 2011 and SGAI 2012, a preliminary Feedback Survey for the participating schools was conducted by the board.

ऑनलाइन प्रतिपुष्टि प्रपत्र विकसित किया गया तथा सीबीएसई वेबसाइट पर अपलोड किया गया जिसमें विद्यालयों से एसजीएआई अभिक्षमता परीक्षा के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसमें प्रधानाचार्यो, अध्यापकों, अभिभावकों के लिए विकसित सहायक सामग्री, इसकी प्रभावकता और एसजीएआई पुस्तिका आदि के आरुप तथा गुणवत्ता के बारे में भी पूछा गया था।

An online **Feedback Proforma** was developed and uploaded on CBSE website, regarding SGAI as an aptitude test, the support material developed for Principals, teachers, parents, its effectiveness, format and quality of SGAI. A random sample study of responses revealed that SGAI served as a useful and effective indicator for subject choices of the students.

मेरिट छात्रवृत्ति योजना
MERIT SCHOLARSHIP SCHEMES

सामाजिक व आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के मेधावी विद्यार्थियों और बालिकाओं को प्रोत्साहन देने के लिए बोर्ड द्वारा निम्नलिखित छात्रवृत्ति योजनाएं चलाई गई है :

1. एकल बालिका मेरिट छात्रवृत्ति योजनाएं

बोर्ड द्वारा एक छात्रवृत्ति ऐसी एकल बालिका के लिए देय है जो कक्षा 11 व 12 में सीबीएसई से संबद्धता प्राप्त विद्यालय में अध्ययन कर रही हो व जिसने सीबीएसई से संबद्धता प्राप्त विद्यालय से कक्षा 10 उत्तीर्ण की हो।

ऐसी बालिका विद्यार्थी जो अपने माता–पिता की एकमात्र संतान है और जिन्होंने 60 प्रतिशत या 6.2 सीजीपीए या इससे अधिक अंक/ग्रेड प्राप्त किए हो, वे इस के योजना के लिए पात्र हैं।

2. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति छात्रों के लिए बोर्ड मेरिट छात्रवृत्ति योजना

बोर्ड द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति समुदाय के मेधावी विद्यार्थियों को रू0 250/- प्रतिमाह की दर से कक्षा 10वी के 23 छात्रों में प्रत्येक को व 500/– प्रतिमाह की दर से कक्षा 12 के 25 छात्रों में प्रत्येक को वित्तीय सहायता दी जाती है।

3. एआईपीएमटी मेरिट छात्रवृत्ति योजना

सीबीएसई एमबीबीएस कोर्स में अध्ययन करने वाले 150 छात्रों (एकल बालिका के लिए 10 प्रतिशत आरक्षित) को छात्रवृत्ति दी जा रही थी, जिसमें योजना के तहत चार वर्षों लिए 12,000/– प्रतिवर्ष की दर से वित्तीय

In order to promote meritorious students from socially and economically weaker sections and girls, the Board has following scholarship schemes:

1. Single Girl child Merit Scholarship Scheme

The Board provides scholarship for the Single girl child who has passed class X from a CBSE affiliated School and is pursuing education in class XI and XII in CBSE affiliated school.

Girl students who are the only child of their parents and have scored 60% or 6.2 CGPA or more mark / grades are eligible for the scheme.

2. Merit Scholarship Scheme for SC/ST students

The Board officers financial assistance of Rs. 250/- per month each to 23 students of Class X and Rs. 500/- per month to 25 students of Class XII to meritorious students for SC/ST community.

3. AIPMT Merit Scholarship Scheme

CBSE had been offering Scholarship to 150 students (10% reserved for Single Girl Child) pursuing professional education of MBBS course. Under this scheme, a financial assistance of Rs. 12,000/- per annum was being offered

सहायता दी जाती रही है। यह योजना 2011 से समाप्त कर दी गई है व इसके केवल नवीकरण वाले मामले जारी है।

4. एआईईईई मेरिट योजना

सीबीएसई द्वारा एमबीबीएस कार्से में अध्ययन करने वाले 350 छात्रों को (एकल बालिका के लिए 10 प्रतिशत आरक्षित) को छात्रवृत्ति दी जा रही थी, जिसमें योजना के तहत चार वर्षों लिए 12,000/–प्रतिवर्ष की दर से वित्तीय सहायता दी जा रही थी। यह योजना 2011 से समाप्त कर दी गई है व इसके केवल नवीकरण वाले मामले जारी है।

5. स्नातक की पढ़ाई कर रही एकल बालिका विद्यार्थियों के लिए सीबीएसई मेरिट छात्रवृत्ति योजना

सीबीएसई स्नातक के स्तर की पढ़ाई कर रही 550 एकल बालिका विधार्थियों को छात्रवृत्ति प्रस्तावित करता है। इस योजना के अर्न्तगत, तीन वर्षों के लिए 6,000 प्रति वर्ष की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह योजना साल 2011 के बाद बंद कर दी गई है और केवल नवीकरण चल रहा है।

6. सीबीएसई के कर्मचारियों के प्रतिपाल्य के लिए छात्रवृत्ति योजना

बोर्ड के कर्मचारियों के मेधावी बच्चों को प्रोत्साहन देने के लिए निम्नलिखित दरों पर प्रत्येक कक्षा में बीस छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है :

कक्षा VI – VIII @ 300/– प्रतिमाह की दर से
कक्षा IX – X @ 400/– प्रतिमाह की दर से
कक्षा XI – XII @ 500/– प्रतिमाह की दर से

for 04 years. This scheme has been discontinued from 2011 and only renewals shall continue.

4. AIEEE Merit Scheme

CBSE had been offering Scholarship to 350 students (10% reserved for Single Girls Child) pursuing professional education of Engineering course. Under this scheme, financial assistance of Rs. 12,000/- per annum was being offered for 04 years. This scheme has been discontinued from 2011 and only renewals shall continue.

5. CBSE Merit Scholarship Scheme for Under Graduate Studies for Single Girl Child

CBSE offered Scholarship to 550 students for Single Girls Child pursuing undergraduate level studies. Under this scheme, a financial assistance of Rs. 6,000/- per annum is being given for 03 years. This scheme has been discontinued from 2011 and only renewals shall continue.

6. Scholarship Scheme for wards of CBSE employees

To promote meritorious children of the employees of the Board, scholarship to 20 students is each class at the following rates is offered:

Class VI – VIII @ Rs. 300/- per month
Class IX – X @ Rs. 400/- per month
Class XI – XII @ Rs. 500/- per month

7. **केन्द्रीय छात्रवृत्ति सेक्टर योजना**

सीबीएसई द्वारा इस योजना के तहत प्रतिवर्ष 6854 छात्रवृत्तियों के लिए आवेदन प्राप्त व प्रस्संकृत किए जाते है और छात्रवृत्तियां वितरित की जाती है।

इस योजना का उद्देश्य वित्तीय रूप से कमजोर परिवारों के मेघावी विद्यार्थियों को पूर्व स्नातक/स्नातकोतर स्तर पर अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए सहायता प्रदान करना है। ऐसे विद्यार्थी जिनके माता–पिता की आय प्रतिवर्ष 4.5 लाख से कम है व जिन्होंने कक्षा 12 में न्युनतम अंक सीमा (80 प्रतिशत अंक) प्राप्त की है, वे इस योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति का लार्भाजन करने के पात्र हैं। यह छात्रवृत्ति विज्ञान, वाणिज्य और कला के लिए 3:2:1 के अनुपात में वितरित की जाती है। योग्य विद्यार्थियों को रू0 1000/– प्रतिमाह की दर से छात्रवृत्ति स्नातक स्तर पर और स्नातकोत्तर स्तर पर रू0 2000/– प्रति माह की दर से एक वर्ष में 10 महीने के लिए प्रदान की जाती है।

8. **सीबीएसई पुरस्कार योजना।**

2013 से लागू योजना का उद्देश्य (i) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/एनसीटी दिल्ली (ii) सिक्किम (iii) अरूणाचल प्रदेश (iv) छत्तीसगढ़ में सीबीएसई से संबद्ध सरकारी स्कूलों में कम से कम कक्षा IX और XII तक अध्ययन करने वाले और सीबीएसई की कक्षा XII परीक्षा उत्तीर्ण मेधावी छात्रों को सम्मानित और प्रोत्साहित करना है। कुल 200 पुरस्कार (कट ऑफ बिंदु पर सभी छात्रों को शामिल करने के लिए संख्या बढ़ाई जा सकती है) जिसमें प्रति छात्र एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार शामिल है जो उन छात्रों को दिए जाएंगे जिन्होंने राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा संचालित सीबीएसई संबद्ध सरकारी

7. **Central Sector Scheme**

CBSE invites and processes the applications and distributes Scholarships under this scheme for 6854 scholarships every year.

The scheme is aimed at extending helping hand to meritorious students of economically weaker families for continuing their education at UG / PG level. The students whose parents' income are less than Rs. 4.5 lakh per annum and have scored minimum cut off (80 percentile marks) in class XII are eligible for availing scholarship under the scheme. The scholarship is distributed in the ratio of 3:2:1 for Science, Commerce and Arts. Eligible student are offered scholarship @ Rs. 1,000/- per month at Graduation and @ Rs. 2,000/- per month at Post Graduation level for 10 month of a year.

8. **CBSE Reward Scheme**

The objective of the Scheme is to recognize and encourage meritorious students who have studied in Governments Schools affiliated with CBSE at least from class IX to XII in the States/ UTs of (i) NCT of Delhi (ii) Sikkim (iii) Arunachal Pradesh (iv) Andaman & Nicobar Islands (v) Chandigarh (vi) Chhattisgarh and passed class XII examination of CBSE from 2013 onwards. No. of rewards 200 (may be increased to cover all students at cut off point) and the Cash reward of Rs. 1 lakh to each student. Indian citizens who have studied from class IX to XII in a Government School affiliated to CBSE and run by State Government/ Union Territory and stood

विद्यालय की कक्षा IX और XII तक अध्ययन किया हो और कक्षा XII में पात्र छात्रों की मेरिट में हो। यह पुरस्कार विज्ञान, वाणिज्य, मानविकी तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रम में 25 प्रतिशत के समान वितरण के साथ प्रत्येक वर्ग में कक्षा XII में योग्यताक्रम में दिए जाऐंगे। एक वर्ग में उम्मीदवारों की उपलब्धता न होने की स्थिति में पुरस्कार का विवरण अन्य वर्गो में कर दिया जाएगा। बराबरी की स्थिति में लड़कियों को प्राथमिकता दी जाएगी, उसके बाद आयु में वरिष्ठता को अधिमान दिया जाएगा। वर्गो में आरक्षण है–अ.जा. 15 प्रतिशत व अ.ज.जा. 7.5 प्रतिशत, शारीरिक रूप से विकलांग वर्ग से दो सर्वोत्तम (विकलांग उम्मीदवारों को पुरस्कारों की कुल संख्या में शामिल करना है और मेरिट सूची में उपलब्ध न होने पर मेरिट को अ.जा. /अ.ज.जा वर्ग के तहत अंतिम उम्मीदवार से 5 प्रतिशत तक कम कर दिया जाएगा)। छात्र के वर्ग का निर्धारण बोर्ड को प्रस्तुत कक्षा IX और XI परीक्षा फार्म में पंजीकरण के साथ प्रस्तुत रिकार्ड तिमाही के अनुसार किया जाएगा।

in merit of eligible students in class XII examination. The rewards shall be given in order of merit in class XII in each stream with equal distribution of 25% each in Science, Commerce, Humanities and Vocational. In case of non-availability of candidates in one category, awards will be distributed in other categories. In case of a tie, girls shall be given preference. Thereafter, candidate, senior in age shall be preferred. The reservations among categories are: - SC 15%, ST 7.5%, two toppers from physically handicapped category (PH candidates to be included in the total number of rewards and if not available within merit list, the merit shall be lowered upto 5% below the last candidate under SC/ ST category). The category of the student will be determined as per records submitted at the time of registration in IX & XI Examination form submitted to the Board.

वर्ष 2012–2013 में बोर्ड द्वारा निम्नलिखित के अनुसार निधि संवितरित की गई
During the Year 2012–2013, the Board disbursed the funds as follows

क्रम सं.	योजना	वर्ष 2012–13 के दौरान संवितरित राशि (लाख में)
1.	सीएसएसएस	970.20
2.	एआईपीएमटी	36.60
3.	एआईईईई	51.84
4.	एसजीसी–X उत्तीर्ण	205.98
5.	पूर्व स्नातक योजना	19.86
6.	बोर्ड के कर्मचारियों के प्रतिपाल्यों की छात्रवृत्ति योजना	6.67

Sl. No.	Scheme	Amount Disbursed During 2012-2013 *(Amount in Lakh rupees)*
1.	CSSS	970.20
2.	AIPMT	36.60
3.	AIEEE	51.84
4.	SGC – X Pass	205.98
5.	Under Graduate Scheme	19.86
6.	Scholarship Scheme for wards of Board's employee	6.67